भारतीय कृषि साँख्यिकी संस्था की पत्रिका

(हिन्दी परिशिष्ट)

सम्पादक :—डॉ० बी० बी० पी० एस० गोयल

खंड ३८] अप्रैल १९८६ [अंक १

अनुक्रमणिका

१. यादृच्छिक अनुत्तर के निश्चित पहलुओं पर
—रविन्द्र सिंह

२. परिमित समष्टि सहसंबंध गुणांक के आकलन पर
—एस० के० श्रीवास्तव एवं एच० एस० झज्ज

३. परिमित समष्टि मॉडल के अन्तर्गत स्तरित प्रतिचयन में प्रतिदर्श आकार के नियतन पर
—ए० एम० पेदगाँवकर एवं एस० जी० प्रभु-अजगाँवकर

४. सहायक सूचना को प्रयोग करके सर्वेक्षण प्रतिदर्शी में समष्टि माध्य के आकलकों के एक वर्ग पर
—एच० पी सिंह एवं एल० एन० उपाध्याय

'यादृच्छिक अनुत्तर के निश्चित पहलुओं पर'

द्वारा

रविन्द्र सिंह

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना

सारांश

यादृच्छिक अनुत्तर की उपस्थिति में आकलकों के लिए निश्चित संकल्पनाओं को परिभाषित किया गया है। उपर्युक्त संकल्पनाओं से संबंधित 'राव' हर्टले एवं काक्रान (१९६२) एवं असमान प्रायिकता स–प्रतिस्थापन प्रतिचयन योजनाओं के लिए समष्टि योग के आकलकों की तुलना की गयी है। इस तुलना के लिए दोनों चयन प्रक्रियाओं में प्रतिदर्श आकार समान माना गया है।

———

परिमित समष्टि सहसंबंध गुणांक के आकलन पर

द्वारा

एस० के० श्रीवास्तव एवं एच० एस० झज्ज

पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला

सारांश

गुप्ता, सिंह एवं लाल (१९७८) ने एक परिमित समष्टि से प्राप्त साधारण यादृच्छिक प्रतिदर्श पर आधारित प्रतिदर्श सहसंबंध गुणांक ४ में अभिनति एवं इसके प्रसरण का अध्ययन किया है। उन्होंने ४ की अभिनति एवं प्रसरण के उपगामी व्यंज्जक दो विचरों के घातांको के योगों एवं उनके गुणनफल योगों के रूप में प्राप्त किये हैं। प्रस्तुत लेख में परिमित समष्टि के द्विविचर आघूर्णों का प्रयोग करके ४ के उपगामी प्रसरण एवं उपगामी अभिनति के साधारण व्यंज्जकों को प्राप्त किया गया है। जब विचरों में से एक के समष्टि माध्य व प्रसरण की जानकारी हो तो समष्टि सहसंबंध गुणांक के आकलकों का एक वर्ग सुझावित है।

———

'परिमित समष्टि मॉडल के अन्तर्गत स्तरित प्रतिचयन में प्रतिदर्श आकार के नियतन पर'

द्वारा

ए० एम० पेदगाँवकर एवं एस० जी० प्रभु–अजगाँवकर,
मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद

सारांश

इस लेख में अवधानी एवं सुखात्मे (१९७०) द्वारा सुझावित परिमित समष्टि मॉडल लागू होने की स्थिति में प्रतिदर्श आकार के स्तरों में इष्टतम नियतन के प्रश्न पर विचार किया गया है।

सहायक सूचना को प्रयोग करके सर्वेक्षण प्रतिदर्शों में समष्टि माध्य के आकलकों के एक वर्ग पर

द्वारा

एच० पी० सिंह एवं एल० एन० उपाध्याय
इंडियन स्कूल आफ माइंस, धनबाद

सारांश

प्रस्तुत पर्चे में किसी चर X पर सहायक सूचना को प्रयोग करके समष्टि माध्य के आकलकों का एक वर्ग प्रस्तावित है जो की श्रीवास्तव एवं झज्जं (१९८१) द्वारा विचारित आकलकों की अपेक्षा विस्तृत एवं अधिक दक्ष है। अभिनति एवं त्रुटि–वर्ग माध्य के लिए उपगामी व्यंजक प्राप्त किये गये हैं।